[illegible] में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक [illegible] तथा कार्यों से उत्पन्न [illegible] का अध्ययन

लघुशोध प्रबन्ध

2005–2006

[illegible] विश्वविद्यालय, [illegible]

[illegible]

2005:2006

प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यों से उत्पन्न तनाव का अध्ययन

D-219

लघुशोध प्रबन्ध

2005–2006

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा
की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

निर्देशक
डॉ. कौशल किशोर खरे
प्रवाचक

शोधकर्ता
मनिष बाबुराव पिल्लेवार
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **मनिष बाबूराव पिल्लेवार** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविघालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **''प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यो से उत्पन्न तनाव का अध्ययन''** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया प्रथम प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविघालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविघालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2005–06 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 10 April, 2006

निर्देशक
डॉ. कौशल किशोर खरे
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता तथा कार्यों से उत्पन्न तनाव का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक डॉ. कौशल किशोर खरे (प्रवाचक) शिक्षा विभाग, क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान, भोपाल को जाता है। उन्होंने जिस सरलता एवं रूचि से मार्गदर्शन किया, इसके लिये मैं उनका अत्यंत कृतज्ञ हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य **डॉ. एम. सेन गुप्त** क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान, भोपाल का आभारी हूं, जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध को सम्पन्न करने हेतु मुझे अनुमति प्रदान की।

मैं आदरणीय विभागाध्यक्ष **डॉ. शिव कुमार गुप्ता,** तथा एम.एड. प्रभारी **डॉ. के.आर. शर्मा** का कृतज्ञ हूं जिनकी प्रेरणा, स्नेह, सरंक्षण व सहयोग मुझे मिला।

मैं **डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. सुनीति खरे, श्री संजय पंडागले** एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किये।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष एवं समस्त पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का भी आभारी हूँ।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल में कार्यरत उन सभी कर्मचारियों का आभारी हूं। जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य हेतु मुझे सहयोग किया।

मैं उन प्राथमिक शालाओं के प्राचार्य एवं शिक्षकों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन हेतु मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने समस्त सहपाठियों का आभारी हूँ जिन्होंने इस कार्य को सम्पन्न करने हेतु समय-समय पर मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं अपनी माता आदरणीय पूर्णावती पिल्लेवार एवं पिता आदरणीय बाबूरावजी पिल्लेवार, भाई आलोक, रितेश, मयुर, का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने इस शोध कार्य को पूर्ण करने के लिये अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

अतः मैं उन सभी को धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने इस लघु शोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरी मदद की है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 10/4/2006

शोधकर्ता
मनिष बाबूराव पिल्लेवार
एम.एड. (छात्र)

अनुक्रमणिका

अध्याय	प्रकरण	पृष्ठ क्रमांक
प्रथम	**प्रस्तावना**	
1.1	शिक्षक के विषय में शिक्षा विदो के विचार	3
1.2	शिक्षकों के लिये विचार	4
1.3	शिक्षकों की वर्तमान अवस्था	5
1.4	शोध अध्ययन की आवश्यकता	6
1.5	शब्दों की व्यवहारिक व्याख्या	8
1.6	शोध के उद्देश्य	9
1.7	शोध की परिकल्पनाएँ	9
1.8	शोध समस्या का सिमांकन	10
1.9	शोध में प्रयुक्त चर	10
द्वियती	**संबंधित का पूनरावलोकन**	
2.1	भूमिका	11
2.2	साहित्य के पूनरावलोकन के लाभ	11
तृतीय	**शोध प्रविधि**	
3.1	न्यादर्श का चयन	13
3.2	शोध में प्रयुक्त चर	15
3.3	प्रदत्तों के संकलन में प्रयुक्त उपकरण एवं प्रविधि	15
3.4	प्रदत्तों का संकलन	17
3.5	प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियाँ	17
चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	
पंचम	**शोध सारांश एवं सुझझाव**	
5.1	न्यादर्श का चयन	23
5.2	निष्कर्ष	24
5.3	सुझझाव	24
5.4	भावि शोध हेतु सुझाव	25
	संदर्भ ग्रंथ सूचि	
	परिशिष्ट	

तालिका सूचि

अ.क्र.	तालिका क्र.	तालिका सूचि	पृष्ठ संख्या
1.	3.1	न्यादर्श का विवरण	14
2.	4.1	शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव के मध्य संबंध	18
3.	4.2	शिक्षक–शिक्षिकाओं की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना	19
4.	4.3	शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में कार्यरत शिक्षकों की शैक्षिक परिपक्वता के मध्यमानों की तुलना	20
5.	4.4	शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के कार्यो से उत्पन्न तनाव के मध्यमानों की तुलना	21
6.	4.5	शासकीय एवं अशासकीय शाला में कार्यरत शिक्षकों के कार्यो से उत्पन्न तनाव के मध्यमानों की तुलना	22